- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 लालू राज की याद कर आज भी सिहर उठती है जनता: जदयू

03 शिक्षक-अभिभावक के सार्थक सहयोग से ही विद्यालयों में अपेक्षित सुधार सम्भव - बीईओ

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

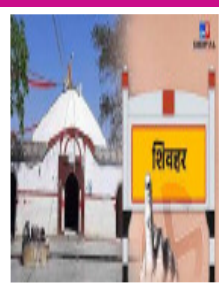

● पटना, बुधवार, 10 अप्रैल 2024 www.bordernewsmirror.com ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 05, अंक: 39

LAKSHYA RAJ KIDZEE
Mission Chowk, Pataura (Infornt of Durga Mandir) Motihari Mob.- 9128562441

चुनाव लड़ने वाले को हर चल संपत्ति की घोषणा करना आवश्यक नहीं-उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि चुनाव लड़ने वाले व्यक्ति को अपने या अपने परिवार के अधीन वाली हर उस चल संपत्ति के विवरण का खुलासा करने की आवश्यकता नहीं, जो मतदान के फैसले को प्रभाव नहीं करता हो। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति पी वी संजय कुमार ने अरुणाचल प्रदेश विधान सभा के 2019 में हुए चुनाव में तेजू क्षेत्र से बतौर निर्दलीय जीत दर्ज करने वाले कारिखो क्रि के चुनाव की वैधता की पुष्टि एक स्पष्टीकरण के साथ करते हुए यह टिप्पणी की।शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर आधारित होने की वजह से उसके इस आदेश को मिसाल नहीं माना जाएगा। पीठ ने कहा कि किसी भी मतदाता का किसी उम्मीदवार के निजी जीवन में झांकने का पूर्ण अधिकार नहीं है। उम्मीदवार के लिए ऐसी प्रकृति की चल संपत्ति का खुलासा किया जाना आवश्यक है जो उक्त मतदान को प्रभावित करने की क्षमता

रखता हो। गुवाहाटी उच्च न्यायालय की ईटानगर पीठ ने पिछले साल श्री क्रि के चुनाव को अमान्य घोषित करते हुए रद्द कर दिया था, जिसे उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को पलट कर दिया।श्री क्रि ने उच्च न्यायालय के फैसले को शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी। निर्दलीय उम्मीदवार श्री क्रि के निर्वाचन को कांग्रेस उम्मीदवार नुनी तायांग ने चुनौती दी थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि श्री क्रि ने अपने चुनाव नामांकन पत्र के साथ दिए गए हलफनामे में गलत घोषणाएँ की थीं।

पूर्व सांसद चौधरी बीरेंद्र सिंह, पत्नी प्रेमलता सिंह कांग्रेस में शामिल हुए

"श्री सिंह ने कहा, "मेरा कांग्रेस में शामिल होना न सिर्फ घर वापसी है बल्कि ये विचारधारा की वापसी भी है। मैं ये बात इसलिए कह रहा हूं- क्योंकि मैंने मान्यताओं को निभाया है। देश में नेताओं के लिए व्यावहारिक रूप से कुछ गरिमा तथा मान्यताएं हैं जिन्हें निभाना चाहिए। इन सभी मान्यताओं को निभाने से ही देश मजबूत होगा।" उन्होंने कांग्रेस की घोषणा पत्र की प्रशंसा की और कहा कि इसमें जो तथ्य दिए गए हैं वह अनुभव के आधार पर शामिल किए गए हैं और इसमें किसानों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए उनके हितों को साधने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा, "मैं (चौधरी बीरेंद्र सिंह) अपने 52 साल की राजनीतिक जीवन के आधार पर कह सकता हूं कि देश बदलाव चाहता है और मतदाता बदलाव के लिए तैयार है।"

नयी दिल्ली। हरियाणा से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद चौधरी बीरेंद्र सिंह और उनकी पत्नी प्रेमलता सिंह चौधरी अपने हजारों समर्थकों के साथ मंगलवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। हरियाणा के प्रमुख नेता तथा किसानों के मसीहा सर छोटू राम के पोते श्री बीरेंद्र सिंह (78) ने आज यहां कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी महासचिव मुकुल वासनिक, हरियाणा विधानसभा में विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा, पार्टी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला, कुमारी सैलजा, हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान, कांग्रेस ओबीसी विभाग के चेयरमैन कैप्टन अजय सिंह यादव, विधायक किरण चौधरी, पंजाब की पूर्व मुख्यमंत्री राजिंदर कौर भट्टल, सांसद नासिर हुसैन और पवन खेड़ा समेत अन्य नेताओं की मौजूदगी में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। श्री वासनिक ने कहा, "मैं कांग्रेस परिवार में श्री सिंह का स्वागत करता हूँ। आज देश में लोकतंत्र और संविधान के सामने चुनौतियां हैं। ऐसी परिस्थितियों को जानते हुए चौधरी बीरेंद्र सिंह ने तय किया है कि हमें कांग्रेस के साथ आना होगा। उनके आने से कांग्रेस को राष्ट्रीय स्तर और हरियाणा में बल मिलेगा।" श्री हुड्डा ने कहा, "आज हरियाणा से भाजपा के पूर्व सांसद चौधरी बीरेंद्र सिंह जी अपने कई साथियों के साथ कांग्रेस में शामिल हुए हैं। आप सभी का कांग्रेस पार्टी में स्वागत है। देश के संविधान, लोकतंत्र को बचाने के लिए सबको एकजुट होने की जरुरत है और ऐसे मौके पर चौधरी बीरेंद्र सिंह और उनके समर्थकों का कांग्रेस में शामिल होना खुशी की बात है।" श्री सूरजेवाला ने कहा, "चौधरी बीरेंद्र सिंह जी का कांग्रेस में शामिल होना हमारे लिए एक भावुक और गौरवान्वित क्षण है। चौधरी बीरेंद्र सिंह का श्रीमती इंदिरा गांधी, स्वर्गीय राजीव गांधी और श्रीमती सोनिया गांधी के साथ एक लंबा राजनीतिक जीवन रहा है। आपके आने से कांग्रेस को और मजबूती मिलेगी। हम आपका कांग्रेस पार्टी में स्वागत करते हैं।

घोटाला केजरीवाल व्यक्तिगत तौर पर उस नीति को बनाने और रिश्वत मांगने में भी कथित तौर पर शामिल थे : एकल पीठ

हाई कोर्ट ने केजरीवाल को नहीं दी राहत, याचिका की खारिज

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आबकारी नीति-2021-22 कथित घोटाले से संबंधित धनशोधन के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करने और उनकी हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की एकल पीठ ने श्री केजरीवाल की याचिका पर अपना फैसला सुनाते हुए ईडी द्वारा उन्हें (केजरीवाला) गिरफ्तार करने और फिर विशेष अदालत के निर्देश पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की हिरासत में भेजने के आदेश को वैध ठहराते हुए इस मामले में हस्तक्षेप करने से स्पष्ट तौर पर इनकार कर दिया। उच्च न्यायालय की एक पीठ ने कहा कि ईडी की ओर से अदालत के समक्ष पेश दस्तावेजों से प्रथम दृष्ट्या पता चलता है कि आरोपी केजरीवाल उक्त आबकारी नीति तैयार करने की साजिश रचने में शामिल थे और इस रची गई साजिश से प्राप्त आय का उन्होंने

इस्तेमाल किया है। एकल पीठ ने कहा कि केजरीवाल व्यक्तिगत तौर पर उस नीति को बनाने और रिश्वत मांगने में भी कथित तौर पर शामिल थे। उच्च न्यायालय ने इससे पहले तीन अप्रैल को दोनों पक्षों की दलीलें विस्तारपूर्वक सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। श्री केजरीवाल ने केंद्रीय एजेंसी द्वारा अपनी गिरफ्तारी के समय पर सवाल उठाया था। उन्होंने आरोप लगाया है कि उनकी गिरफ्तारी लोकतंत्र, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव और समान अवसर सहित संविधान की मूल संरचना का 'उल्लंघन' है। इसलिए उनकी गिरफ्तारी को अवैध घोषित किया जाना चाहिए। श्री केजरीवाल को ईडी ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। वह अभी भी न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद हैं। कावेरी बावेजा की विशेष अदालत ने एक अप्रैल को उन्हें 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा था। ईडी ने श्री केजरीवाल पर दिल्ली आबकारी नीति 2021-2022 (विवाद के बाद रद्द कर दी गई थी) के माध्यम से गलत तरीके से करोड़ों रुपए हासिल करने के लिए मुख्य भूमिका निभाने वाला साजिशकर्ता होने का आरोप लगाया है। सीबीआई ने 17 अगस्त 2022 को वर्ष 2021-22 की आबकारी नीति बनाने और उसके कार्यान्वयन में की गई कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए एक आपराधिक मुकदमा दर्ज किया था। इसी आधार पर ईडी ने 22 अगस्त 2022 को धनशोधन का मामला दर्ज किया था। ईडी का दावा है कि आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेताओं - दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसौदिया, सांसद संजय सिंह सहित अन्य ने अवैध कमाई के लिए 'साजिश' रची थी। गौरतलब है कि इस मामले में आप सांसद संजय सिंह को उच्चतम न्यायालय ने दो अप्रैल को राहत दी। शीर्ष अदालत ने उन्हें जमानत की अनुमति दी थी और संबंधित विशेष अदालत को जमानत की शर्तें तय करने का निर्देश दिया था। इस आदेश के मद्देनजर राऊज एवेन्यू स्थित काबेरी बावेजा की विशेष अदालत ने तीन अप्रैल को उन्हें सशर्त तिहाड़ जेल से रिहा करने का आदेश पारित किया था। इसके बाद श्री सिंह को गुरुवार रात रिहा कर दिया था।

केजरीवाल ने दिल्ली को लूटा, पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं: दिल्ली भाजपा

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली प्रदेश इकाई ने कहा कि आबकारी नीति के कथित घोटाले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के मुद्दे पर मंगलवार को उच्च न्यायालय के निर्णय के बाद मुख्यमंत्री को कुर्सी पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। दिल्ली प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पार्टी के मुख्यालय पर संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा, "केजरीवाल ने दिल्ली को लूटने का काम किया है। उनके कारनामों ने दिल्ली को शर्मसार किया है। क्या अब भी केजरीवाल के पास कुर्सी पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार है?"

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

लालू राज की याद कर आज भी सिहर उठती है जनता: जदयू

पटना। राजद नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए जदयू प्रदेश प्रवक्ता निहोरा प्रसाद यादव और प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम ने साल 1990 से लेकर साल 2005 तक के लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के शासनकाल पर हमला बोला। पार्टी प्रवक्ताओं ने उस दौर के राजद शासनकाल को याद कर करते हुए कहा कि राजद के शासनकाल में बिहार में कानून के राज के नाम पर गन या फिर बंदूक का राज था। पार्टी प्रवक्ताओं ने मंगलवार को कहा कि हत्या, लूट, अपहरण के चलते गांवों में रहना मुश्किल हो गया था, जहां मध्य और दक्षिण बिहार में अपने आप को लोग असुरक्षित महसूस कर रहे थे। जनता का सरकार से भरोसा उठ चुका था। अपनी सुरक्षा के लिए लोग परेशान थे लेकिन इनके शासन में प्रशासन मौन रहता था। सरकार ना तो कमजोर वर्गों को सुरक्षा दे पायी और ना ही समाज के समृद्ध वर्ग को। पार्टी प्रवक्ताओं ने राजद शासनकाल को याद करते हुए कहा कि गया में हुए नरसंहार के बाद जो हालात थे उसमें 13 फरवरी 1992 को खुद मुख्यमंत्री को यह कहना पड़ा था

कि अब बिहार में सीएम भी सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि आरजेडी के शासनकाल में आम जनता घरों से बाहर निकलने से कतराती थी। आलम यह था कि शाम 5 बजे के बाद अगर घर का कोई सदस्य लौटकर घर वापस नहीं लौटता था तो घर में कोहराम मच जाता था और लोग किसी अनहोनी की आशंका से घिर जाते थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शासन में आज बिहार बदल चुका है और लोग खुशहाल जीवन जी रहे हैं। पार्टी प्रवक्ताओं ने तेजस्वी यादव से उनके बिहार में राम राज्य लाने के दावे पर गंभीर सवाल पूछते हुए कहा कि आज वो अपने पिता के पदचिह्नों पर ही चल रहे हैं। ऐसे में वो बिहार की जनता को बताएं कि वो किस तरह का राम राज्य बिहार में लाएंगे? उन्होंने कहा कि अगर आरजेडी के हाथों में दोबारा से सत्ता दे दी जाए तो एक बार फिर से वो परिवार बिहार को लूटने का काम करना शुरू कर देगा। उन्होंने कहा कि 2005 के बाद आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शासनकाल में बिहार बदल चुका है और आज राज्य खुशहाली के रास्ते पर है। उन्होंने कहा कि आज बिहार में न्याय के साथ विकास हो रहा है और लोग सरल तरीके से जिंदगी जी रहे हैं।

रेलवे में नौकरी के नाम पर लालू परिवार ने गरीबों का जमीन हथियाया: उमेश कुशवाहा

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने लालू परिवार पर हमला करते हुए मंगलवार को बयान जारी कर कहा कि पूरे देशभर में लालू परिवार भ्रष्टाचार और घोटालों के लिए जाना जाता है। लालू परिवार ने हमेशा सत्ता को अवैध धनोपार्जन का जरिया समझा और जब भी उन्हें मौका मिला तो गरीबों के खून-पसीने की कमाई को लूटने-खसोटने का काम किया। इनके सत्ता में आने का एकमात्र मकसद लूट मचाकर अपना खजाना भरना होता है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव आज पूरे प्रदेश में घुमकर नीतीश कुमार के द्वारा किए गए कामों का झूठा श्रेय लेने की कोशिश कर रहें है मगर वें अपने माता-पिता के 15 सालों के शासनकाल की चर्चा नहीं करते हैं। उन्हें इस बात की समझ नहीं है कि राज्य का मुख्यमंत्री मंत्रिपरिषद का अध्यक्ष होता है और सरकार कोई भी निर्णय मंत्रीपरिषद

के सहमति से ही करती है इसलिए तेजस्वी यादव जनता में भ्रम फैलाने की कोशिश ना करें। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उनके पिता जब बिहार के मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने चारा घोटाले को अंजाम दिया और जब यूपीए की केंद्र सरकार में रेलमंत्री बने तो जमीन घोटाला और रेलवे होटल टेंडर घोटाला किया। गरीबों के नाम पर सत्ता हासिल कर उन्होंने सिर्फ अपनी गरीबी दूर की और अपने बेटे-बेटियों के लिए गैरकानूनी ढंग से अकूत संपत्ति बनाई। उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि रोजगार के नाम पर राजद जनता को भरमा रही है।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से 'इनसे मिलिए' कार्यक्रम का आयोजन

पटना। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से मंगलवार को पर्यावरण संरक्षण एवं पारिस्थितिकी के विकास में जन सहभागिता पर 'इनसे मिलिए' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें प्रख्यात पर्यावरणविद पद्म भूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी ने आने वाली सभी आपदाओं के प्रति आगाह किया। उन्होंने उद्यमियों को ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए भविष्य के लिए सचेत रहने को कहा। प्राधिकरण के कार्यालय में सदस्य कौशल किशोर मिश्र ने पौधा व अंगवस्त्र देकर डॉ. अनिल प्रकाश जोशी के साथ वरिष्ठ पत्रकार और पर्यावरणविद पंकज मालवीय को सम्मानित किया। कार्यक्रम के उद्घाटन संबोधन में सदस्य मनीष कुमार वर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण

की सुरक्षा के लिए कानून बनाए गए हैं। इनमें पेड़ पौधों को संरक्षण प्रदान करने के साथ जैव संरक्षण के लिए विशेष क्षेत्र घोषित करने होंगे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन के रूप में लेना होगा। सभी को उसमें अपनी सहभागिता निभानी होगी। उन्होंने प्राधिकरण के नए कदम "नीतीश पेंडेंट" और 'बीएसडीआरएन एप' के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। डॉ अनिल प्रकाश जोशी ने कहा कि अभी जागरूक होकर हम उन भयावह परिणामों को रोक सकते हैं। इसके लिए जल, जीवन, जमीन और जंगल का संरक्षण करना होगा। यह संरक्षण सरकार की नहीं बल्कि हम सबकी जिम्मेदारी है। इस मौके पर सदस्य पी एन राय ने कहा कि पहले बिहार में मात्र 7 प्रतिशत हरित क्षेत्र था जो अब बढ़ कर 15 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में ग्रॉस इकॉलोजी प्रोडक्ट पर प्राधिकरण कार्य करेगा। इस अवसर पर प्राधिकरण के सचिव मीनेंद्र कुमार, विशेष सचिव आशुतोष सिंह, पर्यावरणविद डॉ नागेंद्र मेहता, डॉ उदयकांत कार्यक्रम में ऑनलाइन जुड़े।

चुनाव हम सब लगातार आपकी सेवा करते रहते हैं अब उस सेवा की मजदूरी चाहिए : लेशी सिंह

लेशी सिंह ने एनडीए कुशवाहा के साथ चलाया जनसंपर्क अभियान

पूर्णिया। एनडीए प्रत्याशी संतोष कुशवाहा ने बिहार सरकार की मंत्री लेशी सिंह के साथ धमदाहा प्रखण्ड के इलाके में मंगलवार को सघन जनसंपर्क अभियान चलाया।इस क्रम में वे सबसे पहले धमदाहा घाट के इमली टोला पहुंची। सिंह ने लोगों से कहा कि आपके इलाके में बहुत से विकास कार्य हुए है और जो अधूरा है वह भी पूरा होगा ।चुनाव में बहुत लोग आएंगे और बरगलायेंगे लेकिन नरेंद्र मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए 26 अप्रैल को संतोष कुशवाहा को तीर छाप पर वोट देकर जिताना है।वहीं प्रत्याशी कुशवाहा ने कहा कि आपसे आशीर्वाद मिला तो पूर्णिया में आज मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज,सड़क ,पुल-पुलिया का निर्माण कराया।एक बार फिर आपके आशीर्वाद की

जरूरत है। कठबजरा और टोटहा महादलित टोला में मतदाताओं से मुखातिब होते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार दलितों ,महादलितों और गरीबों के उत्थान के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रही है। जबकि बघवा,पकड़िया,पहाड़ टोला, मरहा टोला और रूपसपुर में प्रत्याशी संतोष कुशवाहा ने कहा कि बड़ी मशक्कत के बाद यहां से जंगलराज की समाप्ति हुई है।कुछ लोग अपना रूप बदल कर आए हैं, फिर से पूर्णिया में जंगलराज वापस लेना चाहते हैं। मंत्री लेशी सिंह ने कहा कि केंद्र में मोदी जी और बिहार में नीतीश जी के हाथों को मजबूत करने के लिए संतोष कुशवाहा को जिताना होगा।रंगपुरा दक्षिण पंचायत के मोहना,सबैया सितिया आदिवासी टोला,कजरा और मिल्की में घर-घर लोगों से मिलकर निवर्तमान सांसद कुशवाहा ने कहा कि वर्ष 2005 से पहले की इस इलाके में विकास की क्या स्थिति थी और अब कितना सब कुछ बदल गया है। विकास की यह रफ्तार जारी रहे इसके लिए नरेंद्र मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाना होगा और आप सबों को अपने बेटा संतोष कुशवाहा को पूर्णिया से जिताना होगा। मंत्री लेशी सिंह ने कहा कि हम सब लगातार आपकी सेवा करते रहते हैं अब उस सेवा की मजदूरी चाहिए। मजदूरी यही है कि भाई संतोष जी को ईवीएम के क्रम संख्या 03 पर तीर छाप पर वोट देकर जिताने का काम करें।इस मौके पर जेडीयू प्रदेश महासचिव आशीष कुमार बब्बू, संजय राय, मनोज पासवान,नीलू सिंह पटेल, शम्भू जायसवाल, सुशांत कुशवाहा आदि मौजूद थे।

लोकसभा चुनाव मोदी का नहीं मुद्दे का चुनाव है : तेजस्वी

गया। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता एवं बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने आज कहा कि यह लोकसभा का चुनाव नरेंद्र मोदी का नहीं बल्कि मुद्दे का चुनाव है। श्री यादव ने आज यहां एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए ने कहा कि यह लोकसभा का चुनाव मोदी का नहीं बल्कि मुद्दे का चुनाव है। मुद्दा गरीबी, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, पलायन, सड़क, शिक्षा, चिकित्सा आदि है। इन मुद्दों पर चुनाव होना चाहिए। सांसद ऐसा होना चाहिए जो आपकी समस्याओं को दूर करें। आपकी आवाज सदन में उठाएं, इसलिए राष्ट्रीय जनता दल ने कुमार सर्वजीत को गया संसदीय सीट से उम्मीदवार बनाया है

M.S. MEMORIAL PUBLIC SCHOOL
BALGANGA, ARERAJ ROAD, MOTIHARI
Contact No.- 9939047109, 9431203674

शिवहर लोकसभा चुनाव :पावर कट का कोई गम नहीं

जनता नहीं खोल रही है अपने पत्ते, सेयसी पंडित प्रसन्न

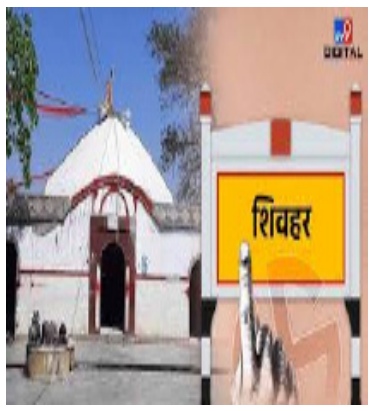

शिवहर। मौसम विभाग के आंकड़ों में दर्ज तापमान के मुताबिक अप्रैल महीने के शुरुआत में शिवहर और मोतिहारी तापमान 40 डिग्री सेल्सियस है। ढाका के मुख्य चौक के पास सड़क पर जाम की वजह से खड़े होने पर सिहरन सी होने लगती थी मुझे। पास के दुकान पर गर्मी से परेशान सज्जन गंजी को सीने तक समेटे लुंगी को जहां तक संभव हो, ऊपर तक समेटे बैठे राम मंदिर निर्माण पर पर अपनी छाती फुला रहे थे।पूछने पर बता रहे है की राम मंदिर तो अभी झांकी है काशी और मथुरा बाकी है, जाहिर है यहां इस गर्मी में बिजली का कम होना इस लोकसभा चुनाव में मुद्दा तो नहीं ही है। मेरे पूछने पर साफ कहते हैं बिजली का दिक्कत तो हैइये है, लेकिन मोदी को मजबूत करना अधिक जरूरी है। मोदी अगर मजबूत रहेंगे तो बिजली अपने आप आ जाएगा।मैंने पूछा राजद को तो कहा उन्हें नहीं जानते बस मोदी जी को जानते हैं जो देश का नाम रौशन कर रहे हैं। एक व्यक्ति काफ़ी कुदरने पर बोला की अभी टिकट लेके कौन आ रहा है उसके बाद सोचेंगे। अभी त टिकट के पत्ते नहीं चल रहा है।देश के अन्य राज्यों की तरह शिवहर लोकसभा में भी इस चुनाव में स्थानीय मुद्दे गायब हैं। राष्ट्रवाद, मंदिर और आपकी बार 400 के पार के नारों में मूल जरूरत की बातें दफन हो गई है। ढाका शिवहर संसदीय क्षेत्र अंतर्गत आता है। फिलहाल BJP के सासंद रामा देवी के टिकट कटने और सीट गठबंधन मे चले जाने से पूर्व सांसद लवली आनंद उम्मीदवार हैं। हलाकि लवली आनंद के सामने राजद और महागठबंधन के प्रत्याशी का नाम एलान नहीं किया है। जबकि रितु जयसवाल, फारुख शेख, रमा सिंह के नाम की चर्चा जोरों पर है। रितु जयसवाल और फारुख शेख लोकसभा का दौरा कर रहे है. एक तरफ जहाँ NDA उम्मीदवार के समर्थन लगातार बैठकों का दौर जारी है वही राजद के तरफ से कौन उम्मीदवार होगा इस पर उहापोह लगा हुआ है। अब समर्थक भी सिथिल पड़ने लगे है। जानकारों का मानना है की अगर राजद जल्द अपना उम्मीदवार घोषित नहीं करती है तो उसका खामियाजा उसे उठाना पड़ सकता है, जानकर कहते है NDA के मजबूत उम्मीदवार लवली आनंद लगातार दौरा कर वोटो को गोलबंद करने में जुटी है वही राजद के उम्मीदवार की घोषणा भी अब तक नहीं हो पाई है. ऐसे में राजद को उम्मीदवार घोषित कर देना चाहिए, ज्यादा समय लगा तो तो इसका नुकसान जरूर होगा, क्योंकि संभावित उम्मीदवार के कार्यकर्ता जी जान से प्रचार कार्य में जुटे हुए हैं, अगर समय लिया गया और किसी एक को प्रत्याशी घोषित किया गया तो अन्य उम्मीदवारों के समर्थक नाराज होकर NDA के समर्थन में जा सकते हैं ऐसे में जल्द उम्मीदवार की घोषणा हो जाने से राजद को नुकसान नहीं होगा। शिवहर संसदीय क्षेत्र अंतर्गत मोतिहारी जिले के तीन विधानसभा क्षेत्र आते हैं। मधुबन, चिरैया और ढाका जहाँ तीनो सीट पर बीजेपी का कब्जा है

टॉपर बच्चों को किया गया सम्मानित

वही मैट्रिक परीक्षा टॉपर प्रथम राहत परवीन पिता मोहम्मद तबरेज आलम द्वितीय नबर पर कीर्ति कुमारी पिता विजय कुमार पटेल, तृतीय नबर पर तनु प्रिया पिता धर्मेंद्र कुमार मिश्रा, बच्ची को मेडल और पत्र दे सम्मानित किया गया।

हरसिद्धि। प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित माध्यमिक प्लस टू बालक स्कूल भादा मे मंगलवार को वार्षिक दीक्षांत समारोह छात्र शिक्षक अभिभावक गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमें कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाध्यापक भुवनेश्वर कुमार व अन्य शिक्षक के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।वहीं उसके बाद बच्चियों ने स्वागत गाना गाकर मौजूद शिक्षक सहित अभिभावक का अभिनंदन किया इस अवसर पर आयोजित संस्कृत कार्यक्रम में विद्यालय के छात्राओं में विभिन्न विभिन्न कार्य कर्मों की प्रस्तुति की और स्कूल मे प्रथम से लेकर 12वीं कक्षा के प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं को प्रधानाध्यापक भुनेश्वर कुमार व अभिभावक के द्वारा पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया इसी के दौरान विद्यालय के 12 बी बोर्ड परीक्षा में टॉपर प्रथम स्मृति कुमारी पिता जोगी साह ,और द्वितीय नबर पर शकुंतला परवीन पिता मजहर हुसैन, तृतीय नंबर पर नाजिया परवीन पिता फैयाज हुसैन। मौके पर शिक्षक प्रधानाध्यापक भुवनेश्वर कुमार, सुनील कुमार ठाकुर, राजेश्वर राम, मुनीर आलम ,संजय महतो, दिलीप कुमार गिरी, रामाशीष राम ,सुधांशु ओझा ,सतीश कुमार, हेमंत कुमार ,आशुतोष सिंह, आशुतोष देव ,सनबुल खातून, बंदना चौधरी ,संध्या कुमारी ,मंजू कुमारी सिंह,एवं सैकड़ो अभिभावक उपस्थित थे।

प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर चमकी बुखार की रोकथाम को लेकर दी गई जानकारी

बीएनएम@केसरिया। चमकी बुखार की रोकथाम को लेकर मंगलवार को प्रखंड सभागार में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में क्षेत्र के विकास मित्र, पंचायत सचिव, कृषि सलाहकार, पीआरएस सहित अन्य कर्मियों को चमकी बुखार के लक्षण व उपचार के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ हीं अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमण कर इससे बचाव के बारे में लोगों को जानकारी देने को कहा गया। शिविर में मौजूद बीडीओ मनीष कुमार सिंह ने कहा कि गर्मी में एईएस-जेई के मामले सामने आते हैं। जिसकी रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य विभाग सक्रिय है। जनजागरूकता के माध्यम से इस बीमारी के लक्षण व उपचार के बारे में लोगों को बतायें ताकि इस बीमारी से समय रहते बचाव किया जा सके। उन्होंने सभी उपस्थित कर्मियों से कहा कि संध्या चौपाल लगाकर इसके बारे में लोगों को जानकारी दें। मौके पर प्रशिक्षु बीडीओ दीप्ति शिखा, बीएचएम धर्मराज सहित अन्य मौजूद थे। इधर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भी इसको लेकर प्रभारी चिकित्सा प्रभारी डॉ अर्चना की देखरेख में प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। जिसमें आईसीडीएस, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित जीविका के कर्मी शामिल हुए। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि इस मौसम में बच्चों को तेज धूप से दूर रखें। साथ हीं साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। मौसमी फलों का सेवन करायें। उन्होंने बताया कि बच्चों को अधिक से अधिक पानी, ओआरएस या नींबू-पानी-चीनी का घोल पिलायें। यदि किसी को इस बीमारी की शिकायत होती है तो तुरंत इसकी जानकारी दें। प्रशिक्षण में बीएचएम धर्मराज, बीसीएम विवेक कुमार, डॉ राजेश रंजन, डॉ प्रमोद कुमार, डॉ अंशुमान पाण्डेय, डॉ उदय कुमार, एलएस अम्बालिका कुमारी, बीपीएम(जीविका) मो शहाब सहित अन्य मौजूद थे।

शांतिपूर्ण माहौल में मनायें ईद व रामनवमी

बीएनएम@केसरिया। थाना परिसर में मंगलवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान ईद-उल-फितर, रामनवमी, चैत्र नवरात्र व चैती छठ पर्व को शांतिपूर्ण माहौल में मनाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया।सम्बोधित करते हुए बीडीओ मनीष कुमार सिंह ने कहा कि आयोजन के दौरान डीजे बजाने, जुलूस निकालने व किसी कार्यक्रम पर रोक रहेगी। उन्होंने कहा कि आपसी सामंजस्य स्थापित कर पर्व को शांतिपूर्ण माहौल में मनायें। आयोजन को शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न कराने को लेकर जगह-जगह दंडाधिकारी व पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। वहीं क्षेत्र में की हर गतिविधि पर प्रशासन की पैनी नजर रहेगी। वहीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए थानाध्यक्ष उदय कुमार ने कहा कि विधि-व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन भ्रमणशील रहेगी। किसी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि क्षेत्र में अगर किसी असामाजिक तत्व की गतिविधि देखें तो थाना को तुरन्त सूचना दें। सम्बंधित व्यक्ति पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। बैठक में प्रशिक्षु बीडीओ दीप्ती शिखा, पुलिस निरीक्षक मो मुनीर आलम, एसआई रामशरण पासवान, पीएसआई ओम पाल सहित क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता, व्यवसायी व प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी
डॉ. मीना
MBBS,DGO, DNB, (OBG), FMAS
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

समारोह आयोजित कर बच्चों के बीच प्रगति–पत्रक का किया गया वितरण

बीएनएम@केसरिया। प्रखंड क्षेत्र स्थित विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों में मंगलवार को वार्षिक परीक्षा परिणामोत्सव समारोह सह अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न कक्षाओं में उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को प्रगति- पत्रक प्रदान किया गया। राजकीय उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय ताजपुर पटखौलिया में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए बीपीएम अनिल कुमार ने कहा कि सरकारी विद्यालयों में बेहतर शैक्षणिक माहौल स्थापित हुआ है। जिसके बल पर सरकारी विद्यालय के बच्चे सफलता अर्जित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से प्रतिभावान बच्चों की प्रतिभा को एक मंच मिलता है। समारोह के दौरान आगत अतिथियों के द्वारा विभिन्न कक्षाओं में उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को प्रगति-पत्रक प्रदान किया गया। आगत अतिथियों को विद्यालय के प्रभारी एचएम सुदीश बैठा ने अंगवस्त्र देकर स्वागत किया। समारोह का संचालन शिक्षक विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त शिक्षक पीताम्बर राम, सेवानिवृत्त जिला कानूनगो बहादुर ठाकुर, प्रभा देवी, कामेश्वर सिंह, शिक्षक कैलाश मंडल, विकास कुमार, सुमन कुमारी, राजबालक शर्मा सहित अन्य मौजूद थे।

दीक्षांत समारोह का किया आयोजन

10 + 2 राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय जिहुली के सभी शिक्षकों का मिल रहा सहयोग

पताही। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत शिक्षा विभाग के निर्देश पर मंगलवार को पताही प्रखंड के जिहुली हाई स्कूल में दीक्षांत सह सम्मान समारोह आयोजित की गई। इसमें समारोह आयोजित कर अभिभावकों की उपस्थिति में नवम, मैट्रिक व इंटर के 11 वीं कक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों को मेडल,कलम व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं इस दौरान बच्चों द्वारा संगीत, भाषण सहित विभिन्न तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए। हाईस्कूल जिहुली में कक्षा नवम से लेकर 11 वीं कक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों को समारोह आयोजित कर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक अमरेंद्र कुमार ने किया। उन्होंने कुल 50 बच्चों को पुरस्कृत व सम्मानित किया गया। छात्रा खुशी कुमारी ने बताया कि विद्यालय में काफी अच्छी पढ़ाई होती है। अक्सर अभिभावकों को भी मीटिंग के लिए बुलाया जाता है। और सभी शिक्षक काफी सहयोग करते हैं। कुछ भी डाउट होता है तो वह आसानी से शिक्षक से पूछ लेते हैं। और सभी शिक्षक सहयोग करते हैं जिससे पूरे जिले में इसी स्कूल का प्रथम स्थान है। इस स्कूल में जितनी पढ़ाई की सुविधा मिलती है शायद ही किसी प्राइवेट स्कूल में भी उतना सुविधा मिलती होगी। भिभावक कौशल किशोर सिंह ने शिक्षा विभाग के इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय की यह बहुत ही खूबसूरत पहल है कि पेरेंट्स मीट एवं दीक्षांत समारोह की आयोजन करके बच्चों का सम्मानित किया गया है। अभिभावक और शिक्षक के बीच इससे घनिष्ठता होगी और इससे बच्चों का शिक्षा बेहतर होगा। अभिभावक भी बच्चों की कमजोरी को शिक्षकों के पास आसानी से रख पा रहे हैं और शिक्षक भी उसे पर काम कर रहे हैं।रशिक्षा विभाग ने स्कूलों में शैक्षणिक माहौल बेहतर करने के लिए इस प्रकार का खूबसूरत पहल की गई है। सम्मानित हुए बच्चे आज सड़क पर बच्चे अपने अभिभावक के साथ हाथों में अपना मेमेंटो लेकर स्कूल से घर जाते नजर आ रहे हैं। प्राइवेट विद्यालयों में आमतौर पर ऐसा होता है लेकिन सरकारी विद्यालय प्राइवेट विद्यालयों से काफी बेहतर है और इस बार का रिजल्ट भी बता रहा है। हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक अमरेंद्र कुमार ने बताया कि अभिभावकों के भीतर भी सरकारी विद्यालय में अपने बच्चों को पढ़ाने को लेकर एक उत्साह दिख रहा है. सभी अभिभावक गर्व से अपने बच्चों का रिपोर्ट कार्ड लेकर स्कूल से जा रहे हैं और बच्चों के क्लास टीचर से बच्चों के बारे में पूरी रिपोर्ट ले रहे हैं। इस प्रकार की पहल से बच्चे भी डिसिप्लिन होंगे और बच्चों का विद्यालय से लगाव बढ़ेगा। मौके पर विद्यालय के शिक्षक मो० जुनैद अहमद, हरिशंकर झा, विकास कुमार, विभा कुमारी, सुनीता कुमारी, नीता कुमारी, नूतन कुमारी, अपराजिता कुमारी, नेहा कुमारी, आरती कुमारी, आशुतोष कुमार आर्य, राजन कुमार, अनंत बैठा, संजीव कुमार, चंदन कुमार,विकास कुमार सहित कई शिक्षक व छात्र-छात्राएं मौजूद थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सत्यप्रकाश झा शिक्षक, कौशल किशोर सिंह, संजय कुमार सिंह, अजीत मेहरिया, नीरज कुमार रहे।

विद्यालयों में दीक्षांत समारोह आयोजित कर विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

कार्यक्रम राजकीय प्राथमिक विद्यालय रूपनी मठ हुआ आयोजित

पकड़ीदयाल। पताही प्रखंड के अंतर्गत पताही पश्चिमी पंचायत में सोमवार को शिक्षा विभाग के आदेश की आलोक में दीक्षांत समारोह आयोजित की गई। जिसमें विद्यालय के हर कक्षा में उत्तीर्ण प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान परीक्षा में पाने वाले छात्रों को अभिभावकों के उपस्थिति में सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम राजकीय प्राथमिक विद्यालय रूपनी मठ, N.P.S बेलवा पोखर, U.M.S रुपनी पांडेय टोला एवं आदि विद्यालय में समारोह आयोजित किया गया। शिक्षकों ने बताया कि समारोह के जरिए लोगों में शिक्षा के प्रति जागरूकता आए ताकि लोग शिक्षा को लेकर गंभीर हो और बच्चों को स्कूल तक छोड़ें।

रक्सौल में वर्ष प्रतिपदा पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का हुआ पथ संचलन

मोतिहारी। नववर्ष विक्रम संवत 2081 के अवसर पर मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ रक्सौल के स्वयंसेवकों ने नगर में पथ संचलन किया। इस अवसर पर स्वयंसेवक पूर्ण गणवेष धारण कर नगर के आर्य समाज मंदिर में एकत्रित हुए। आद्य सर संघसंचालक डा.हेडगवार व गुरू जी को प्रणाम करने के बाद भगवाध्वज के साथ कतारबद्ध होकर पूरे रक्सौल नगर में पथ संचलन किया। पथ संचलन में करीब दो सौ से अधिक स्वयंसेवक सम्मिलित हुए जो पूरे नगर का भ्रमण करने के पश्चात आर्य समाज मंदिर पहुंचे। जहां उत्तर बिहार प्रांत संघसंचालक प्रो. राजकिशोर सिंह ने स्वयंसेवको को संबोधित करते कहा कि डॉ. हेडगेवार जी ने सन-1925 ई.राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने स्थापना कर हिन्दू समाज का संगठन खड़ा किया,जो आज विश्व की सबसे बड़ी संगठन है। देश की एकता ,अखंडता एवं संप्रभुता को अक्षुण्ण रख परम वैभव के शिखर पर ले जाना ही संघ का मुख्य उद्देश्य है। सिंह ने कहा चैत्र प्रतिपदा को पुरी दुनिया में हिन्दू नववर्ष के रूप में मनाया जाता है। इसके साथ ही सभी तीज त्योहार भी शुरू हो जाते हैं। इस तिथि का विशेष महत्व है कि इसी दिन ब्रह्मा जी दो अरब वर्ष पूर्व सृष्टि की रचना की थी। धर्मराज युधिष्ठिर एवं भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक तथा विक्रम संवत ,शक संवत समेत कई संवत्सरों का शुभारंभ इसी तिथि को हुआ था। मौके पर जिला कार्यवाह दुर्गेश कुमार, जिला प्रचारक मनु शेखर,जिला व्यवस्था प्रमुख प्रकाश कुमार, नगर कार्यवाह अमरेन्दम्पाण्डेय, शारीरिक प्रमुख भरत कुमार,रजनीश प्रियदर्शी, प्रो.रामाशंकर प्रसाद, मनोज कुमार, चैतन्य कुमार, रणजीत सिंह, राजकुमार गुप्ता, विकास कुमार, हेमंत वर्णवाल, रमेश कुमार पाण्डेय, ज्योतिराज गुप्ता, अनुराधा शर्मा , मीतू गुप्ता, पूनम गुप्ता, सरोज गिरि अमृता शर्मा, संध्या सर्राफ, रेणु गुप्ता, प्रिया गुप्ता, संगीता मिश्रा समेत बड़ी संख्या स्वयंसेवक मौजूद रहे।

मोतिहारी में 53वां सद्गुरू रामकथा महायज्ञ हुआ शुरू

मोतिहारी। मोतिहारी बाईपास रोड स्थित ब्रह्मलीन योगीराज देवराहा बाबा गुरुकुल आश्रम में मंगलवार को 53वां सद्गुरु महायज्ञ का शुभारंभ हुआ। वही इसके पूर्व भव्य झांकी भी निकाली गई।श्री राम कथा के प्रथम दिन पूरे भक्ति भाव व जय श्री राम जय श्री सीताराम के जयधोष के साथ सुबह गुरु पूजन, व्यास पूजन ,आरती के साथ भव्य शोभा यात्रा के साथ एक रथ पर देवरहा बाबा दूसरे रथ व राम दरबार को विराजमान कराकर मनोरम झांकी निकली। तीसरी रथ पर विराजमान कथा वाचक शुभम महाराज सहित साथ सैकड़ो की संख्या में जुटे श्रद्धालु भक्तो में शामिल महिला,पुरूष व बच्चो ने नगर भ्रमण किया। शोभायात्रा का जगह जगह लोगो ने पुष्प, माला, फल और शरबत के साथ स्वागत किया। राधा नगर में भोला शिकारिया, यमुना सिकरिया, प्रमोद जैन पंच मंदिर चौक पर अमित कुमार बनिया पट्टी चौक पर मेंन रोड में कृष्ण कुमार ज्वेलर्स द्धारा शोभा यात्रा पर पुष्प की वर्षा कर स्वागत एवं पूजन किया गया। उल्लेखनीय है कि इस नौ दिवसीय अखंड राम

नाम संकीर्तन के यजमान अभिनव शर्मा,विनय शर्मा और मुख्य यजमान श्रीपति देवी मुखलाल राय है। वही श्री राम कथा के मुख्य सहयोगी यमुना प्रसाद कृष्ण कुमार और शैलेश वाजपेई है। रामकथा का आज का शुभारंभ गुरुकुल आश्रम कमेटी के सचिव डॉक्टर जय गोविंद प्रसाद, देवेंद्र पाठक, हरिशंकर सिंह, दिलीप केसरी ,अशोक कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। यज्ञ संयोजक राम भजन ने बताया कि प्रतिदिन दोपहर 2:30 बजे से राम कथा की अमृत वर्षा अयोध्या धाम से पधारे संत शुभम महाराज द्वारा किया जाएगा।

कहानी : जिंदगी में खुशी....

वैदेही कोठारी स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखिका

स्कूल में देखो तो दोस्त कहते हैं ये बनना जा तू..! यह करले तू..,! इसमें तुझे अच्छा पैकेज मिलेगा...!, इसी तरह सभी मिलने वाले रिश्तेदार भी अच्छी नोकरी पैकेज की बात करते हैं...,तुम लोग भी यही सब कहते हो...। आखिर - मैं क्या करना चाहता हूं..,'यह कोई समझने को राजी नहीं, आज जो देखो सिर्फ अच्छे पैकेज या नोकरी ही की क्यों बात करते हैं? सिर्फ पैसा कमाना ही जीवन में सफलता है क्या? खुद की खुशी कुछ मायने नहीं! मुझे पैसे का गुलाम नही बनना! मैं वह काम करूंगा जिससे मुझे जिंदगी भर खुशी मिलें..!

राघव स्कूल से घर आया, बडा उदास था। मां ने पूछा - "क्या हुआ राघव ? आज स्कूल में कुछ हुआ क्या? राघव ने कोई जवाब नही दिया ! चुप-चाप अपने कमरे में चला गया । स्कूल यूनिफार्म चेंज की। चेंज करके बैठ मोबाइल चलाने लगा। थोडी देर बाद मां ने आवाज लगाई, "राघव खाना खाने आ जा..। वह खाना खाने डाइंनिंग टेबल के पास पड़ी चेयर पर बैठ गया।

आज वह रोज की तरह बातें नही कर रहा था। मां उसकी ओर देख कर बोली क्या हुआ? आज इतना उदास क्यों हैं? राघव ने अपनी खामोशी तोड़ कर कहा कुछ नही मां ऐसे ही..., बोल कर, खाना खाने लगा । मां ने भी ज्यादा पूछताछ नही की .., वह खाना खा कर टीवी देखने लगा। कुछ देर टीवी देखी फिर पढने बैठ गया.., ।

राघव दिखने मे काफी स्मार्ट था। 5,7 हाईट, रंग गोरा, नाक लम्बी, बालों की स्टाईल भी हिरो जैसी करा रखी थी। साथ ही पढने में भी अव्वल था। राघव पढाई के साथ साथ गेम, डांस में भी किसी से कम नही था।

कक्षा बारहवी में होने से वह पढाई को लेकर ज्यादा गंभीर था। शाम छः बजे राघव जब कोचिंग से घर आया तो मां ने कहा आज घर के सभी सदस्यों को राजेश अंकल के यहां पार्टी में चलना हैं।

प हले तो राघव ने मना किया,नही माँ... ! मैं नही जाउंगा ! मां ने ज्यादा फोर्स किया तो राघव भी पार्टी में चल दिया। हालांकि राघव का मन नही लग रहा था। वह खाने की थाली लेकर खड़ा हुआ ही था कि उसको तीन चार जान-पहचान वाले लोगों ने घेर लिया। एक अंकल ने कहा और बेटा आजकल तो दिखाई नही देते हो ..,क्या कर रहे हो ?

-जी अंकल बारहवी कक्षा में हूँ।

-अच्छा क्या विषय लिया है,

-जी अंकल बॉयलाजी,

अच्छा है ! अंकल जी हंस्ते हुए बोले,डॉक्टर बनना हैं..,

जी नही अंकल अभी कुछ सोचा नही ... !

अंकल की बात खत्म हुई ही थी, कि दूसरे अंकल बोले तो फिर क्या करोगे.. कुछ सोचा तो होगा.. !

- जी अंकल अभी सिर्फ पढाई पर ध्यान है ! अच्छा.. !

तीसरे अंकल बोले अरे बेटा तुम तो "लॉ" कर लो बढिया हैं,

राघव को अंदर ही अंदर बहुत गुस्सा आ रहा था, किंतु फिर भी वह शालीनता के साथ मुस्कुरा कर जवाब दे रहा था। कुछ ही देर में राघव की मां भी राघव के पास आ गई।

कहने लगी -भई क्या चर्चा चल रही है ! अरे भाभी जी कुछ नही राघव से बात कर रहे थे कि क्या करने वाला हैं आगे.. !, माँ भी मुस्कुराने लगी !.., थोडी देर बाद कुछ और मिलने वाले आए,उन लोगो ने भी राघव से यही सवाल किये। राघव बैचारा क्या करता, सबको मुस्कुराते हुए जवाब देता रहा।

घर आते ही राघव गुस्सा करने लगा।

गुस्से में राघव बोला - मैने मना किया था ! मैं नही जाउंगा फिर भी आप ले गए.. !

- तो क्या हुआ राघव .. ?

- मुझे पसंद नही कि लोग मुझे तरह तरह की सलाह दे !

स्कूल में देखो तो दोस्त कहते हैं ये बनना जा तू, ! यह करले तू.., ! इसमें तुझे अच्छा पैकेज मिलेगा... !, इसी तरह सभी मिलने वाले रिश्तेदार भी अच्छी नोकरी पैकेज की बात करते हैं...,तुम लोग भी यही सब कहते हो...।

आखिर - मैं क्या करना चाहता हूं..,'यह कोई समझने को राजी नहीं, आज जो देखो सिर्फ अच्छे पैकेज या नोकरी ही की क्यों बात करते हैं? सिर्फ पैसा कमाना ही जीवन में सफलता है क्या? खुद की खुशी कुछ मायने नहीं ! मुझे पैसे का गुलाम नही बनना !

मैं वह काम करूंगा जिससे मुझे जिंदगी भर खुशी मिलें.. !

48 राजस्व कॉलोनी रतलाम (मध्य प्रदेश)

माँ

भगवती सक्सेना गौड़, बैंगलोर

जोर जोर से कोई दरवाजा खटखटा रहा था, नीता दौड़ कर गयी और खोला, देखा ट्विंकल खड़ी थी। वह बोली, आंटी बिजली नही है इसलिए जोर से धक्का देना पड़ा, सॉरी, कोई बात नही कहकर उसने गले लगा लिया, तुम बहुत प्यारी हो। ये सुनते ही ट्विंकल की आंखों में आंसू आ गए।

नीता अपने पड़ोस की भाभी रेणुका को बहुत पसंद करती थी, जो कैंसर से कई वर्ष जूझने के बाद पिछले वर्ष, ट्विंकल को छोड़ कर भगवान के पास जा चुकी थी।

आज ट्विंकल जोर जोर से रो रही थी, बहुत पूछने पर बताया, कुछ आंटी और अंकल आये थे, पापा का टीका किया, मिठाई दी और चले गए, घर में सब बहुत खुश हैं।

मैंने पापा से पूछा, आज क्या है ? उन्होंने बताया, तुम्हारी दूसरी मम्मी आने वाली है।

आंटी, रोक लीजिये, मुझे दूसरी मम्मी नही चाहिए, उसी को सौतेली माँ कहते हैं ना। मैंने टीवी में फिल्में देखी है, सौतेली माँ अच्छी नही होती, स्कूल में भी कहानियां सुनी है। घर में दादी, चाची सब है, फिर इनकी क्या जरूरत है। मैंने मम्मी की प्यारी यादों के साथ जीना सीख लिया है।

आज ट्विंकल जोर जोर से रो रही थी, बहुत पूछने पर बताया, कुछ आंटी और अंकल आये थे, पापा का टीका किया, मिठाई दी और चले गए, घर में सब बहुत खुश हैं। मैंने पापा से पूछा, आज क्या है? उन्होंने बताया, तुम्हारी दूसरी मम्मी आने वाली है। आंटी, रोक लीजिये, मुझे दूसरी मम्मी नही चाहिए, उसी को सौतेली माँ कहते हैं ना। मैंने टीवी में फिल्में देखी है, सौतेली माँ अच्छी नही होती, स्कूल में भी कहानियां सुनी है। घर में दादी, चाची सब है, फिर इनकी क्या जरूरत है। मैंने मम्मी की प्यारी यादों के साथ जीना सीख लिया है।

नीता समझ नहीं पा रही थी, बच्ची को कैसे समझाए, उसे रेणुका उस घर का सब हाल बताती थी, बीमारी ने तो बाद में खत्म किया, सास और पति के व्यवहार ने पहले ही मार दिया था, इसलिए ट्विंकल के लिए वो बहुत चिंतित रहती थी। अभी साल भी पूरा नहीं हुआ था और लोग शादी करने के चक्कर में थे।

आज उसके दिमाग में अचानक एक विचार आया उसने ट्विंकल से कहा, तुम मुझे कितना प्यार करती हो जवाब मिला ढेर सारा और वो गले लग गयी। अब बच्ची को लेकर वो उसके घर गयी और उसकी दादी से कहा, अगर बुरा न माने तो एक बात आपसे कहना चाहती हूं,

आ प की ट्विंकल इतनी प्यारी है, और आप जानती हैं मेरा अपना कोई नही है, मैके में लोग हैं पर उनके लिए मैं सिर्फ एक मेहमान ही हूँ, इस प्यारी सी बच्ची को मुझे दे दीजिए, मैं ट्रांसफर कराकर कहीं और चली जाऊंगी कानूनी रूप से इसे अपनी बेटी बनाउंगी।

दादी सोच में पड़ गयी फिर घर में मशवरा लेकर बाद में बताते हैं, ये कहा। शाम को ही ट्विंकल खुशी खुशी आयी और बोली आज मैं बहुत खुश हूं,

घर में सबने कहा, कि आपके साथ कहीं घूमने जाना है। आपमे मुझे मेरी अपनी मम्मी का रूप दिखता है, आप बहुत अच्छी हैं।

संगठन से बनता सुदृढ़ परिवार

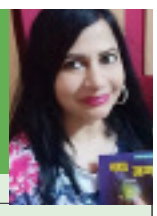

हिमाद्री वर्मा 'समर्थ'

मकान को घर बनाए वो कहलाता है परिवार
हर हाल में साथ निभाए सच्चा साथी परिवार
हरदिन को त्योहार बनाए वो सम्पन्न परिवार
दुख में जो आस बंधाए वो है खुशहाल परिवार।।

बड़ों को जहां मान मिले वो है आदर्श परिवार
बचपन को खूब प्यार मिले वो प्यारा परिवार
भावनाओं को पनाह दे वो है सहयोगी परिवार
सपनों को उड़ान मिले वो है उत्साहित परिवार।।

देशोन्नति में सहयोग करे वो जागरूक परिवार
विचार परस्पर साझा करे वो है पारदर्शी परिवार
नवाचारों का स्वागत करे वो है विकसित परिवार
जो है उसी में खुशी मनाए वो है संतुष्ट परिवार।।

ज्ञान का अखंड दीप जलाए वो शिक्षित परिवार
अतिथि का सत्कार मनाएं वो शिष्टाचारी परिवार
परहित के जो काज करे वो है परोपकारी परिवार
ईश्वर में जो ध्यान लगाए वो है धार्मिक परिवार।।

नारी का आभार जताए वो है सुसंस्कृत परिवार
हुनर की जहां कद्र हो वो है प्रतिभाशाली परिवार
वैसे तो कहे जाते हैं एकल और संयुक्त परिवार
संगठन का महत्व जो समझे वो सुदृढ़ परिवार।।

जयपुर, राजस्थान

सुनों स्त्री..

नमिता गुप्ता 'मनसी' मेरठ, उत्तर प्रदेश

सुनों स्त्री..सुनों,
कब खोलोगी तुम
सांकल
अपने भीतर की,
माना..
बहुत सलीके से सजाया तुमने
घर-आंगन,
मुस्कराहटों को जगह दी
सारी उदास आंखों में।।

पर, क्यों भूली रही
अपने ही केशों को सुलझाना ,
क्यों नहीं टांक लिए कुछ सितारे
अपने आंचल में,
क्यों नहीं झांककर देखा चांद
मन की खिड़कियों से,
क्यों नहीं की उससे देर तक
ढेरों लंबी बातें !!

सुनों स्त्री..
तुम जननी हो,

चित्र साभार गूगल

जन्मीं हैं तुमने ही संभावनाएं ..
संभाला है तुमने ही धरोहरों को..
तुमने बढ़ने दिया मान्यताओं को
अनवरत ही,
..तो जन्मो न अपनी एक भाषा !

निर्विरोध संशोधन करो मान्यताओं में,
सुनों..
गढ़ों ऐसी लिपि
जो अनुवादित कर सके
तुम्हारे आंसुओं को
सही से !!

धरा

ममता सिंह राठौर

कानपुर

पहचान की बयानी लिख रही हूं
अपने किरदार की
कहानी लिख रही हूं।।

हंसते चमकते निखरते ढलते रंग लिख रही हूं
बरसों बरस की
ऊभन लिख रही हूं।।

सहजता, सरलता, और कुशलता लिख रही हूं
प्रेम, धैर्य और सौंदर्य की
विषमता लिख रही हूं।।

लिखना यही कि स्वयं को लिख रही हूं
वेद से संवेद के अभेद लिख रही हूं।।

कथा ब्यथा का परिपेक्ष लिख रही हूं
सच लिखूं तो क्या लिखूं
अनवरत खेद लिखूं ।।

पिता लिखूं तो माँ लिखूं,
पति के संग स्वयं लिखूं
स्वयं को जब धरा लिखूं
तो भाग्य को प्रभा लिखूं।।

माँ !

कृष्णा तिवारी, नोएडा

ख़ामोशी की चादर जैसे
हरदम ओढ़े रहती माँ !!
पिता गए है ज़ब से कुछ
सहमी सहमी रहती माँ !!
दिल में जैसे सागर है,
फिर भी रहती खाली माँ !!
इक झोंके से छलक पड़ै
से नीर भरी हो गागर माँ !!
वो तो पूरी रामायण थी
अब क्यूँ छंदो में सिमटी माँ !!
पिता के मंदिर की मूरत
आज विसर्जन होती माँ !!
शूल हृदय में चुभे है लेकिन
किनसे पीर कहेगी माँ।।
सब माली अपनी बगियाँ के
कैसे फूल चुनेंगी माँ !!
पिता गए है ज़ब से जैसे
हो गई कड़वी गोली माँ !!
भरी पूरी इस दुनियाँ में
रह गई बहुत अकेली माँ !!
दिल में जैसे सागर है
फिर भी रहती खाली माँ !!
इक झोंके से छलक पड़े
नीर भरी हो गागर माँ।।

40 की उम्र के बाद फिट रहने के लिए फॉलो करें ये डाइट

आधुनिक समय में फिट रहना बेहद कठिन टास्क है। खासकर, 40 की उम्र के बाद सेहतमंद रहना किसी चुनौती से कम नहीं है। इस उम्र में दिल की बीमारी, मधुमेह, ब्लड प्रेशर, किडनी और लिवर संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसके लिए सेहत पर विशेष ध्यान देने की जरुरत पड़ती है। इसमें सही दिनचर्या का पालन, उचित खानपान, रोजाना योग और एक्सरसाइज जरूर करें। वहीं, सेहतमंद रहने के लिए डाइट प्लान में व्यापक सुधार करें। लापरवाही बरतने पर बीमार पड़ने का खतरा बढ़ जाता है। अगर आप 40+ ग्रुप में शामिल हैं, तो सेहतमंद रहने के लिए फॉलो करें ये डाइट प्लान--हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो 40 की उम्र के बाद व्यक्ति को खाने में दूध, दही समेत डेयरी उत्पादों का कम से कम उपयोग करें। डेयरी उत्पादों से कोलेस्ट्रॉल बढ़ने लगता है। वहीं, इस उम्र में मेटाबॉलिज़्म धीमा हो जाता है। इसके लिए सुबह के नाश्ते में डेयरी उत्पादों का कम सेवन करें। वहीं, डाइट में अंडे, ताजे फल आदि चीजों को जरूर शामिल करें।

40 साल के बाद फल और सब्जियों का अधिक से अधिक सेवन करना चाहिए। इनमें कैलोरी कम होती है। वहीं, फल और सब्जियों में कई गुणकारी पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद साबित होते हैं। इसके लिए लंच में फल और सब्जियों का अधिक से अधिक सेवन करें। शाम के समय स्नैक्स में सूखे मेवे और अंकुरित अनाज यानी स्प्राउट्स का सेवन करें। वहीं, तली-भुनी चीजों का सेवन बिल्कुल न करें। इससे कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का खतरा रहता है।

रात के खाने में प्रोटीन रिच फ़ूड चीजों का सेवन अधिक से अधिक करें। एक चीज का अवश्य ध्यान रखें कि कोई भी मील स्किप न करें। वहीं, रोजाना योग, एक्सरसाइज और वॉकिंग जरूर करें। इस डाइट प्लान को फॉलो करने से आप सेहतमंद रह सकते हैं।

लाइफस्टाइल में इन बदलावों से काफी हद तक कम कर सकते हैं हाइपरटेंशन का जोखिम.....

हाई बीपी को ही हाइपरटेंशन नाम से भी जाना जाता है। जो स्वास्थ्य से जुड़ी गंभीर समस्याओं की वजह बन सकती है। वैसे हाइपरटेंशन को साइलेंट किलर भी कहा जाता है क्योंकि व्यक्ति में सालों तक इसके लक्षण नजर ही नहीं आते।

तो समय-समय पर हेल्थ चेकअप कराते रहें जिससे छोटी-बड़ी बीमारियों का समय रहते पता लग सके। हाइपरटेंशन के जोखिम को लाइफस्टाइल में कुछ बदलावों से काफी हद तक कम किया जा सकता है। आइए जानते हैं इनके बारे में।

तनाव और घबराहट ब्लड प्रेशर बढ़ाने का काम करते हैं तो अगर आप छोटी-छोटी बातों से परेशान हो जाते हैं और घंटों तक उसे लेकर स्ट्रेस में रहते हैं तो इसपर ध्यान दें। इसे दूर करने के लिए लॉफ्टर थेरेपी लें, अपनी मनपसंद की चीज़ें करें, मेडिटेशन से भी काफी हद तक स्ट्रेस दूर होता है।

देर रात कर काम करने, टीवी-मोबाइल पर लगे रहने से नींद डिस्टर्ब हो जाती है जिसकी वजह से दिनभर थकान और मूड चिड़चिड़ा रहता है। नींद की कमी भी तनाव की वजह बन सकती है और तो और इससे ब्लड शुगर के साथ हाइपरटेंशन की संभावना भी बढ़ जाती है। हाइपरटेंशन की समस्या से दूर रहने के लिए वजन भी कंट्रोल में रखना बहुत जरूरी है। इसके लिए चीनी, नमक, सोडा, रेड मीट, फ्राइड आइटम्स से दूर रहें। नाश्ते से लेकर लंच और डिनर तक का टाइम फिक्स करें।

रोजाना खूब पानी पिएं

रोजाना खूब पानी पीने की आदत डालें। यदि आप भरपूर मात्रा में पानी नहीं पीते हैं तो इससे आपके शरीर में डिहाइड्रेशन हो जाता है। इस स्थिति में सिरदर्द हो सकता है। कई रिसर्च के बाद एक्सपर्ट ने यह सुझाव दिया है कि डिहाइड्रेशन गंभीर सिरदर्द का कारण होता है। डिहइड्रेशन से चिड़चिड़ापन होता है और आपकी एकाग्रता भी प्रभावित होती है। इसलिए, अपने शरीर को डिहाइड्रेशन से बचने के लिए हर दिन खूब पानी पिएं और पानी से भरपूर फल खाने की आदत डालें।

संध्या चतुर्वेदी, मथुरा

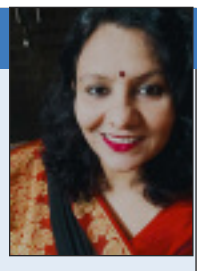

बहनें

कभी उन बहनों को ना सताना
जिनके माँ पिता साथ छोड़ गये हो।
हो सके तो थोड़ा प्यार लुटाना उन पर,
उन के उदास बंजर दिल को थोड़ा सुकून मिलेगा।
जब कभी तीज त्यौहार आये तो नोता भिजवा देना
अपनी बहनों के घर भी,
अगर घर ना बुला सको तो शगुन की मिठाई
और कुछ कपड़े भेज देना उन के ससुराल।।

बहन साल भर इंतजार करती है कि कब भाई के घर से न्यौता आयेगा
और कब वो ससुराल से समय निकाल अपने घर जायेगी।
वही घर जो अब उस के भाई और भाभी का बन चुका है।
उसी घर को अपना समझ कुछ समय बितायेगी वो,
माँ की पुरानी अलमारी मे से माँ की पुरानी साडी पहन कर वो माँ को याद कर लेती है।
पापा की तस्वीर को निहार उन के प्यार का अहसास किया करती है।
तो जब वो मायके से विदा हो ससुराल जाने लगे तो
चुपचाप से कुछ पैसे उसकी हथेली पर रख देना,ठीक वैसे जैसे माँ किया करती थी।
उस की आँख से छलके प्यार के आँसू से सारी बुरी नजर धूल जायेगी।
तुम महसूस करना वो माँ के आशीर्वाद वाली बात बहन के प्यार में मिल जायेगी।।

बहनें माँ बन कर जब भाई की नजर उतारती है
तो सारी बुरी नजर जल जाती है बहन के प्यार से।
बुरा न लगाना अगर कभी वो बाप की तरह तुम्हारी
गलती पर तुम्हें डांट दे या सर पर एक थप्पड़ मार दें।
समझ लेना की पापा का हक अदा कर रही है ।
क्योंकि बहनों को माँ बाप की जायदाद नही
भैय्या भाभी का प्यार चाहिए होता है।
अगर भाभी प्यार से खाना बना कर खिला दे तो
ससुराल की सारी थकान दूर हो जाती है।
अब वो जमाना नही की ननद घर में झगड़े कराने आये
क्योंकि अब वो भाई ही कहा जो बहनों की बात मान जाये।
समय के बदलाव से सब बदल जाता है।
पर एक बेटी का दिल ससुराल से ज्यादा मायके को याद किया करता है।।

नमिता गुप्ता मनसी, मेरठ

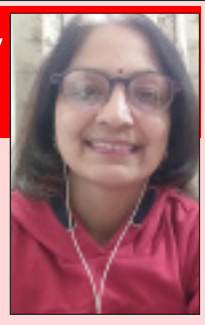

अक्षय संभावनाओं के साथ

मैं नहीं चाहती मोक्ष
लौट आऊंगी
कि जैसे.. तुलसी में मंजरी,
या..वो सावन की बूंद
जब धरती हो प्यासी,
पत्ती-पत्ती झरता हो प्रेम
दावानल के बाद,
कि जैसे..भारी बरसात के बाद
लौट आता है
ताली बजाते हुए, वो इंद्रधनुष,
या घने कोहरे में भी
खिल आती हो धूप
गर्माहट का आश्वासन देती हुई सी,
कि जैसे..
तिरस्कृत प्रार्थनाओं के बाद भी
लौट आतीं हैं
अक्षय संभावनाएं,
कि जैसे..उग आती है दूब
स्वयं से ही
उस प्रलय के बाद भी,
और..
कि जैसे..लिखी जाती है कोई कविता
कम बोले शब्दों में भी
आत्मिक-प्रेम के साथ!!

प्रीति शर्मा 'असीम'

बाकी है

चंद खुशियों की हसरत में
बेपनाह दर्द बाकी है।
जो बीच रास्ते छोड़ दिया तुमने
अभी वो साथ बाकी है।
जो तुम तक पहुंच न पाई
मेरी सदायें बाकी है।
मेरे खामोश लफ्जों की हजारों बातें बाकी है।
थकी आंखों का लम्बा अभी इंतजार बाकी है।
जो रूह को सकून दे जाता तेरा दिदार बाकी है।
चंद खुशियों की हसरत में बेपनाह दर्द बाकी है।
जो बीच रास्ते छोड़ दिया तुमने अभी वो साथ बाकी है।
किस कसूर की दी है सजा अभी इल्ज़ाम बाकी है।
मौत का दे दिया फरमान अभी हमारी जान बाकी है।
सजदों में बांधी उस डोर की अभी वो गांठ बाकी है।
क्यों दुआएं कबूली नही गई वो फरियाद बाकी है।
चंद खुशियों की हसरत में बेपनाह दर्द बाकी है।
जो बीच रास्ते छोड़ दिया तुमने अभी वो साथ बाकी है।
हमने अजमा लिया सब को खुदा का इम्तिहान बाकी है।
इश्क़ का यह सिला है ....क्यों हमारा फरमान बाकी है।

नालागढ़, हिमाचल प्रदेश

BORDER NEWSMIRROR

Editorial

Wednesday 10 April 2024

सनातन का संदेश देता है भारतीय नववर्ष

अंग्रेजी नव वर्ष के बढ़ते प्रभाव के बीच राष्ट्र कवि रामधारी सिंह दिनकर भारतीय नागरिकों को सचेत करते हुए लिखते हैं कि ये नव वर्ष हमें स्वीकार नहीं, है अपना ये त्यौहार नहीं, है अपनी ये तो रीत नहीं, है अपना ये त्यौहार नहीं। इन पंक्तियों का आशय पूरी तरह से स्पष्ट था कि अंग्रेजी नव वर्ष हमारा अपना नहीं, बल्कि अंग्रेजों द्वारा भारतीयता को मिटाने के लिए भारत पर थोपा गया था। विसंगति यह है कि अंग्रेज जो भारत में छोड़कर गए थे, उसे हमने अपना मान लिया। उसके पीछे मूल कारण यही था कि हम अपनी भारतीय संस्कृति को विस्मृत कर चुके थे। अपने स्वत्व का बोध भी हमको नहीं रहा था। जब हम स्वत्व की बात करते हैं तो स्वाभाविक रूप से इसमें वह सब दिखाई देगा, जो मूल भारत की कल्पना था। अब पहला सवाल यह आता है कि अपना मूल भारत क्या था? क्या हमें इसका भान है? यकीनन नहीं, क्योंकि आज जो भारत दिख रहा है, उसे पहले मुगलों ने अपने हिसाब से बनाया और फिर अंगे्रजों ने भारतीय समाज को हमें अपनी संस्कृति से विमुख कर दिया। विचार कीजिए कि भारत का स्वत्व क्या है? अगर भारत का स्वत्व जानना है तो हमें मुगलों से पूर्व के भारत का अध्ययन करना होगा, वही वास्तविक भारत है। आज हम भले ही अंग्रेजी दिनचर्या का उपयोग करते हैं, लेकिन आज भी यह सत्य है कि अंग्रेजी दैनंदिनी का प्रयोग हम अपने त्यौहारों में कभी नहीं करते। क्योंकि हमारे सारे त्यौहार सांस्कृतिक और प्राकृतिक हैं। वे प्रकृति के हिसाब से ही तय किए जाते हैं। इसीलिए प्रारंभ से ही भारत के समस्त त्यौहार दिशा बोध कराने वाले रहे हैं। वसंत के त्यौहार को ही ले लीजिए, इसमें प्राकृतिक बोध होता है। वसंत के पश्चात पतझड़ और फिर प्रकृति में नवीनता का उल्लास। यही उल्लास प्राकृतिक नव वर्ष का आभास कराता है। इसीलिए यही भारत का अपना नव वर्ष है, अंगे्रजों वाला नहीं।

मोदी की गारंटी बनाम कांग्रेस का न्याय

सुरेश हिंदुस्तानी

लोकसभा चुनाव की तैयारी के बीच सभी राजनीतिक दल अपने अस्तित्व को प्रभावी बनाने के उद्देश्य को लेकर बयानबाजी कर रहे हैं। इतना ही नहीं विपक्षी राजनीतिक दल केवल वर्तमान सत्ताधारी दल के विरोध पर ही अपना पूरा फोकस करते हुए चुनावी मैदान में हैं। इसके अलावा एक बड़ी बात यह भी है कि भाजपा ने जहां मोदी की गारंटी को प्रमुख हथियार बनाकर अपने मन में विश्वास बनाया है, वहीं अब कांग्रेस भी इसका अनुसरण करने की नीति अपना रही है। भाजपा की ओर से मोदी की गारंटी के बाद कांग्रेस के राहुल गांधी अपनी पार्टी की 25 गारंटी जनता के सामने लाए हैं। इसके साथ ही कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र को न्याय पत्र का नाम देकर एक नई राह बनाने का काम किया है। हालांकि पिछले लोकसभा चुनाव भी कांग्रेस ने न्याय देने के वादे पर ही लड़ा था, लेकिन अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं हुए। हम जानते हैं कि भाजपा ने 2014 के चुनाव में भारत के चाय वालों के साथ गहरा संबंध स्थापित किया था, इसी प्रकार 2019 के चुनाव में कांग्रेस के चौक़ीदार चोर है के जवाब में "मैं भी चौक़ीदार" का नारा देकर गरीब तबके को अपने साथ जोड़ा था। इस चुनाव में मोदी की गारंटी भाजपा का नारा है। कांग्रेस ने भी गारंटी देने का वादा किया है, लेकिन जनता किसकी गारंटी को स्वीकार करती है, यह समय बताएगा। मैं इस लेख को किसी राजनीतिक दल के समर्थन या विरोध के लिए नहीं लिख रहा हूँ, लेकिन जो सच है उसको लिखने से कोई आशय निकलता है तो भले ही निकले, लेकिन उसे परिवर्तित नहीं किया जा सकता। उल्लेखनीय है कि एक बार पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी ने कांग्रेस की योजनाओं की नाकामी को स्वीकार करते हुए सार्वजनिक रूप से व्यक्त किया था कि सरकार गरीब जनता तक जो लाभ पहुंचाती है, उसका मात्र 15 प्रतिशत ही पहुँच पाता था। इसका आशय यह भी है कि 85 प्रतिशत राशि या तो कमीशन खोरी में जाता था या प्रशासनिक अव्यवस्था की भेंट चढ़ जाता था। इसका एक अर्थ यह भी निकाला जा सकता है कि कांग्रेस के शासन काल में हर शासकीय योजना भ्रष्टाचार का शिकार हुई। इसके विपरीत वर्तमान केंद्र सरकार में कम से कम इतना तो हुआ ही है कि गरीब तक पहुँचने वाला लाभ बिना किसी बिचौलिए के पात्र व्यक्ति को ही शत प्रतिशत मिल रहा है। यानी अब योजनाएं बिना किसी भ्रष्टाचार के पूरी हो रही हैं। कांग्रेस पार्टी की और से दी जाने वाली गारंटी निश्चित ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं के मनोबल में बढ़ोत्तरी करेगी। क्योंकि अब उनके पास भी जनता के बीच अपनी योजनाएं रखने के लिए मौका है। कांग्रेस के यह बात भी एक संजीवनी का कार्य कर रही है कि उसके नेता राहुल गांधी जनता के बीच जाने के लिए बहुत तेजी से सक्रिय होते जा रहे हैं। लेकिन महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि कांग्रेस को केवल मोदी विरोध की राजनीति से तौबा करना चाहिए, उसे केवल जनता के बीच जाकर अपने वादे बताकर जनता से संबंध बनाने की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए, क्योंकि हर व्यक्ति की अपनी शैली होती है। मोदी की शैली यही है कि वह जनता की भावना के अनुसार ही अपना भाषण देते हैं। इसके अलावा राहुल गांधी कभी कभी पटरी से उतरते दिखाई देते हैं। कांग्रेस की ओर से जारी किए गए घोषणा पत्र में न्याय देने की बात कही गई है। साथ ही जातिगत जनगणना करने का भी वादा किया गया है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार व स्तम्भकार हैं)

Today's **Opinion**

भारत में वर्ष प्रतिपदा हिंदू कालगणना के वैज्ञानिक तथ्यों के आधार

प्रहलाद सबनानी

भारत में हिंदू सनातन संस्कृति के अनुसार नए वर्ष का प्रारम्भ वर्षप्रतिपदा के दिन होता है। वर्षप्रतिपदा की तिथि निर्धारित करने के पीछे कई वैज्ञानिक तथ्य छिपे हुए हैं। ब्रह्मपुराण पर आधारित ग्रन्थ 'कथा कल्पतरु' में कहा गया है कि चैत्र मास के शुक्ल पक्ष के प्रथम दिन सूर्योदय के समय ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना की थी और उसी दिन से सृष्टि संवत की गणना आरम्भ हुई। समस्त पापों को नष्ट करने वाली महाशांति उसी दिन सूर्योदय के साथ आती है। वर्ष प्रतिपदा का स्वागत किस प्रकार करना चाहिए इसका वर्णन भी हमारे शास्त्रों में मिलता है। सर्वप्रथम सृष्टिकर्ता ब्रह्मा की पूजा 'ॐ' का सामूहिक उच्चारण, नए पुष्पों, फलों, मिष्ठानों से युग पूजा और सृष्टि की पूजा करनी चाहिए। सूर्य दर्शन, सुर्यध्र्य प्रणाम, जयजयकार, देव आराधना आदि करना चाहिए। परस्पर मित्रों, सम्बन्धियों, सज्जनों का सम्मान, उपहार, गीत, वाध्य, नृत्य से सामूहिक आनंदोत्सव मनाना चाहिए तथा परस्पर साथ मिल बैठकर समस्त आपसी भेदों को समाप्त करना चाहिए। चूंकि यह ब्रह्मा द्वारा घोषित सर्वश्रेष्ठ तिथि है अत इसको प्रथम पद मिला है, इसलिए इसे प्रतिपदा कहते हैं। हमारा यह शास्त्रीय विधान पूर्णत: विज्ञान सम्मत है। जागरण के इस काल में हमें काल पुरुष जगा रहा है, ऐसी सनातन संस्कृति में मान्यता है। आइये, हम भी हिंदुत्व के उगते सूरज के सम्मान और अभ्यर्थना में उठ खड़े हों।अर्थात, महान यशस्वी इंद्र एश्वर्य प्रदान करें, पूषा नामक सूर्य तेजस्विता प्रदान करें। ताक्षर्य नामक सूर्य रसायन तथा बुद्धि द्वारा रोग-शोक का निवारण करें तथा बृहस्पति नामक गृह सभी प्रकार के मंगल तथा कल्याण प्रदान करते हुए उत्तम सुख समृधि से ओतप्रोत करें। उक्त मन्त्र में खगोल स्थित क्रान्तिव्रत के समान चार भाग के परिधि पर समान दूरी वाले चार बिन्दुओं पर पड़ने वाले नक्षत्रों क्रमशः इंद्र, पूषा ताक्षर्य एवं बृहस्पति अर्थात चित्रा, रेवती, श्रवण व् पुष्य नक्षत्रों द्वारा क्रान्ति व्रत पर 180 अंश का कोण बनता है। यह वैदिक पुरुष द्वारा की गई जन कल्याण की कामना है।वर्ष प्रतिपदा हिंदू काल गणना पर आधारित है और इसके साथ अन्य कई वैज्ञानिक तथ्य भी जुड़े हैं। इसी दिन वासंतिक नवरात्रि का भी प्रारम्भ होता है और वर्ष प्रतिपदा से ही नौ दिवसीय शक्ति पर्व प्रारम्भ होता है तथा सनातनी हिंदू इसी दिन से शक्ति की भक्ति में लीन हो जाते हैं। सतयुग के खंडकाल में भारतीय (हिन्दू) नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन प्रारंभ हुआ था क्योंकि इसी दिन ब्रह्माजी द्वारा सृष्टि की रचना का प्रारंभ किया गया था। आगे चलकर त्रेतायुग में वर्षप्रतिपदा के दिन ही प्रभु श्रीराम का लंका विजय के बाद राज्याभिषेक हुआ था। भगवान श्रीराम ने वानरों का विशाल सशक्त संगठन बनाकर असुरी शक्तियों (आतंक) का विनाश किया था। इस प्रकार अधर्म पर धर्म की विजय हुई और रामराज्य की स्थापना हुई थी। अगले खंडकाल अर्थात द्वापर युग में युधिष्ठिर संवत का प्रारम्भ भी वर्षप्रतिपदा के दिन हुआ था। महाभारत के धर्मयुद्ध में धर्म की विजय हुई और राजसूय यज्ञ के साथ युधिष्ठिर संवत प्रारम्भ हुआ। आगे कलयुग के खंडकाल में विक्रम संवत प्रारम्भ हुआ। सम्राट विक्रमादित्य की नवरत्न सभा की चर्चा आज भी चहुंओर होती है। यह भारत के परम वैभवशाली इतिहास का एक अति महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। इस नवरत्न सभा में निम्नलिखित रत्न शामिल थे - (1) धन्वन्तरि-आर्युवेदाचार्य; (2) वररुचि-व्याकरणचार्य; (3) कालीदास-महाकवि; (4) वराहमिहिर-अंतरिक्षविज्ञानी; (5) शंकु-शिक्षा शास्त्री; (6) अमरसिंह-साहित्यकार; (7) क्षणपक-न्यायविद दर्शनशास्त्री; (8) घटकर्पर-कवि; (9) वेतालभट्ट-नीतिकार। भारतीय सनातन संस्कृति पर आधारित कालगणना को विश्व की सबसे प्राचीन पद्धति माना जाता है। दरअसल भारत में कालचक्र प्रवर्तक भगवान शिव को काल की सबसे बड़ी इकाई के अधिष्ठाता होने के चलते ही उन्हें महाकाल कहा गया। वहीं कलयुग में विक्रमादित्य द्वारा नए संवत का प्रारम्भ परकीय विदेशी आक्रमणकारियों से भारत को मुक्त कराने के महाअभियान की सफलता का प्रतीक माना गया है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार व स्तम्भकार हैं)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796,
प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

BNM Fantasy

Wednesday
10 April 2024

नॉन वीकेंड पर सुस्त हुई 'क्रू'

करीना कपूर, तब्बू और कृति सेनन की तिगड़ी बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रही है। राजेश ए कृष्णन के निर्देशन में बनी फिल्म क्रू 29 मार्च को सिनेमाघरों में लैंड की थी। रिलीज के चार दिन में ही इस फिल्म को दर्शकों से अच्छा खासा रिस्पॉन्स मिला है। लोगों को क्रू की कहानी और सितारों का अभिनय दोनों ही चीजें काफी पसंद आ रही है। यही वजह है कि यह मूवी डबल डिजिट में ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। सिर्फ इंडिया में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी लोग फिल्म के दीवाने हो गए हैं। अब इस मूवी के चौथे दिन का कलेक्शन सामने आ गया है। चलिए जानते हैं फिल्म ने रिलीज के बाद पहले सोमवार को कितना बिजनेस कर लिया है।

स

सिद्धार्थ चोपड़ा का नीलम उपाध्याय संग रोका हुआ

प्रियंका चोपड़ा के घर खुशियां आने वाली हैं। हाल ही में एक्ट्रेस लॉस एंजिलस से परिवार समेत भारत आई थीं। अब उनके इस विजिट के पीछे की वजह सामने आ गई है। एक्ट्रेस के भाई सिद्धार्थ चोपड़ा जल्द शादी के बंधन में बंधने वाली हैं, इससे पहले उनकी रोका सेरेमनी हुई है। जहां पूरा चोपड़ा परिवार जश्न मनाता नजर आया। प्रियंका चोपड़ा अपनी पर्सनल लाइफ को पब्लिक करने से अक्सर बचती हैं, लेकिन इस बार उन्होंने फैंस के साथ ये खुशी शेयर की है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर भाई और होने वाली भाभी को बधाई दी है। प्रियंका चोपड़ा के भाई सिद्धार्थ चोपड़ा का नीलम उपाध्याय संग रोका हुआ है। दोनों एक-दूसरे को लंबे वक्त से डेट कर रहे थे। सोशल मीडिया पर नीलम अक्सर सिद्धार्थ के साथ अपनी कोजी फोटो भी शेयर करती थी। रोका सेरेमनी की भी उन्होंने फोटो शेयर की है। सिद्धार्थ चोपड़ा और नीलम उपाध्याय ने 2 अप्रैल को परिवार और दोस्तों के बीच रोका सेरेमनी की। प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टा स्टोरी में भाई सिद्धार्थ चोपड़ा और होने वाली भाभी नीलम उपाध्याय की फोटो शेयर की है। साथ ही रोका सेरेमनी की बधाई भी दी। इसके अलावा एक फोटो उन्होंने कपल के साथ अपनी और निक जोनस की भी शेयर की है। नीलम उपाध्याय ने अपने सोशल मीडिया पर पेज पर रोका सेरेमनी का कई फोटो पोस्ट की है। इनमें उनका परिवार साथ देखा जा सकता है। नीलम उपाध्याय भी प्रियंका चोपड़ा की तरह एक्टिंग की दुनिया से ताल्लुक रखती हैं।

दिव्यांका की 'अदृश्यम' समेत ये सीरीज होंगी रिलीज

धमाकेदार होगा अप्रैल का महीना

आने वाला अप्रैल का महीना वेब सीरीज लवर्स के लिए बेहद खास होने वाला है। अप्रैल में एक या दो नहीं, बल्कि कई धमाकेदार सीरीज दर्शकों का दिल जीतने आ रही हैं। इसमें लूट सीजन 2 से लेकर दिव्यांका त्रिपाठी की अदृश्यम तक शामिल है। चलिए देखते हैं अप्रैल में आने वाली सीरीज की लिस्ट। इस सीरीज को इंग्लिश भाषा में नेटफ्लिक्स पर देखा जा सकता है। इसमें पेप गार्डियोला, एर्लिंग हालैंड समेत कई सितारे दिखाई देने वाले हैं। लूट सीजन 2 शानदार अंदाज में बुधवार 3 अप्रैल 2024 को एप्पल टीवी पर लौट रहा है। इस सीरीज में माया रूडोल्फ, एडम स्कॉट और जोएल किम बूस्टर समेत कई स्टार कलाकार दिखाई देने वाले हैं। 'ये मेरी फैमिली सीजन 3' आने वाली 4 अप्रैल को प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाला है। इसमें जूही परमार, राजेश कुमार, हेतल और अंगद समेत कई स्टार्स दिखाई देने वाले हैं। इस सीरीज को मंदार कुरुंदकर ने डायरेक्ट किया है। यह सीरीज 10 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। छोटे पर्दे की एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी की वेब सीरीज 'अदृयश्म' सोनी लिव पर 11 अप्रैल को रिलीज होने के लिए तैयार है। इस सीरीज में 65 एपिसोड होने वाले हैं। दिव्यांका के साथ इसमें बिग बॉस के कंटेस्टेंट रह चुके एजाज खान भी दिखाई देने वाले हैं। बता दें कि वेब शो अदृयश्म का निर्देशन सचिन पांडे ने किया है। आयशा मैडन स्टारर हार्टब्रेक हाई हन्ना कैरोल चैपमैन द्वारा नेटफ्लिक्स के लिए बनाई गई ऑस्ट्रेलियाई कॉमेडी ड्रामा टेलीविजन सीरीज है। इसका दूसरा सीजन 11 अप्रैल को आएगा। क्रिस ओ'डॉड स्टारर यह सीरीज एप्पल टीवी पर 24 अप्रैल को आने वाली है। फैंस भी इस सीरीज का इंतजार कर रहे हैं।